Padma Bhushan

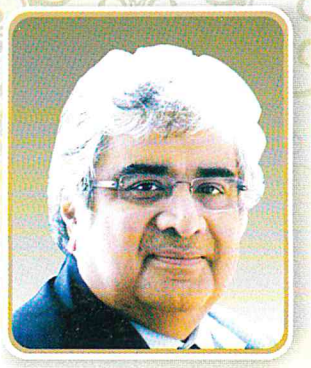

Shri Harish Narendra Salve

Shri Harish N. Salve is an eminent lawyer and former Solicitor General of India.

2. Born on 22nd June, 1956 in Nagpur, Shri Salve qualified as a chartered accountant and a lawyer. As a chartered accountant, he worked on the taxation side. In 1980, he enrolled as an advocate and soon developed a large practice in commercial and constitutional law, practicing in the Supreme Court and the Delhi High Court. Even as a junior advocate, he argued some important cases, notably, the challenge to the constitutional validity of the Bearer Bonds and the challenge to the validity of the Armed Special Powers Act.

3. Shri Salve was designated a senior advocate in 1992 and the Amicus Curiae in 1996 in the Forest Case and the Air Pollution case and continues to act in that capacity even today. In 1999, he was appointed the Solicitor General of India at the young age of 43 years. In the next few years as Solicitor General, he argued a number of significant cases, notably, the Krishna River Dispute Case, the Minorities Rights case, the Presidential Reference relating to Gujarat Elections, the challenge to the Balco privatization, and the challenge to the curriculum propounded by the NCERT. At the end of a three-year term as Solicitor General, in 2002, he joined private practice and argued some of the most important cases heard by the Supreme Court.

4. Shri Salve also developed a large practice in the field of international arbitrations. The International Chambers of Commerce, the London Court of International Arbitration and the Singapore International Arbitration Council have appointed him as an arbitrator. He has also appeared as lead counsel before International Arbitral Tribunals with their seat in Geneva, London, Singapore, The Hague, Paris etc. He has recently appeared as co-counsel in a Bilateral Investment Treaty arbitration held at the Peace Palace in The Hague. Recognizing his contribution to the arbitration law and practice, he has been appointed a member of the courts of the Singapore International Arbitration Chamber [SIAC] and of the London Council of International Arbitration [LCIA].

5. Shri Salve was also appointed by a Committee set up by the Government of Singapore to give a report on establishing an International Commercial Court in Singapore. In July 2013, he was admitted to the Bar of the United Kingdom and Wales. He is now a full tenant of one of the most respected Chambers Blackstone Chambers.

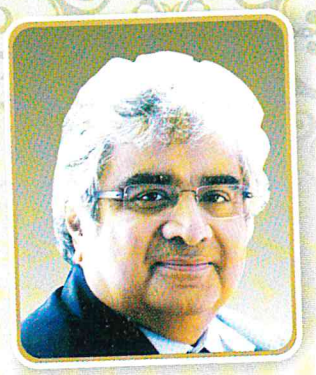

श्री हरीश नरेन्द्र सालवे

श्री हरीश नरेन्द्र सालवे, एक उत्कृष्ट वकील और भारत के पूर्व सॉलिसिटर जनरल हैं।

2. आपका जन्म जून 22, 1956 को नागपुर में हुआ। आपने चार्टर्ड अकाउंटेंट और वकील के रूप में योग्यता हासिल की है। चार्टर्ड अकाउंटेंट के रूप में, आपने कराधान क्षेत्र में काम किया। वर्ष, 1980 में आपने वकील के रूप में काम करना आरंभ किया और उच्चतम न्यायालय और दिल्ली उच्च न्यायालय में वकालत करते हुए, शीघ्र ही वाणिज्यिक और संवैधानिक कानून संबंधी वकालत बड़े पैमाने पर करनी शुरू कर दी। कनिष्ठ एडवोकेट होने के बावजूद आपने कुछ महत्वपूर्ण मामलों, विशेष रूप से बॉंड धारक की संवैधानिक वैद्यता को चुनौती देने संबंधी मामले में जिरह की।

3. आप को वर्ष, 1992 में वरिष्ठ एडवोकेट के रूप में और वर्ष, 1996 में वन-मामले तथा वायु- प्रदूषण मामले में न्यायमित्र (एमिकस क्यूरी) के रूप में पदनामित किया गया तथा आज भी आप इसी पद पर कार्य कर रहे हैं। वर्ष, 1999 में 43 वर्ष की कम उम्र में ही आपको भारत का सॉलिसिटर जनरल नियुक्त किया गया। सॉलिसिटर जनरल के रूप में अगले कुछ वर्षों में, आपने कई महत्वपूर्ण मामलों, विशेष रूप से कृष्णा नदी विवाद मामले, अल्पसंख्यकों के अधिकारों के मामले, गुजरात चुनावों से संबधित राष्ट्रपति जी के संदर्भ, बाल्को के निजीकरण को चुनौती और एन सी ई आर टी द्वारा प्रचारित पाठ्यक्रम को चुनौती संबंधी मामले में जिरह की। सॉलिसिटर जनरल के रूप में कार्य करने के तीन वर्ष की अवधि के अंत में वर्ष, 2002 में आपने निजी रूप से वकालत शुरू कर दी और उच्चतम न्यायालय में सुनवाई किए जाने वाले कुछ अति महत्वपूर्ण मामलों में जिरह की।

4. आपने अन्तरराष्ट्रीय विवाचनों (आरबिट्रेशन्स) के क्षेत्र में भी बड़े पैमाने पर वकालत की। द इंटरनेशनल चैम्बर्स ऑव कॉमर्स, द लंदन कोर्ट ऑव इंटरनेशनल आरबिट्रेशन्स और सिंगापुर इंटरनेशनल आरबिट्रेशन्स काउन्सिल ने आपको विवाचक (आरबिट्रेटर) के रूप में नियुक्त किया है। आप जिनेवा, लंदन, सिंगापुर, द हेग, पेरिस आदि में अपने पद के साथ इंटरनेशनल आरबिट्रल ट्रिब्यूनल्स के सामने लीड काउन्सल के रूप में भी उपस्थित हुए। आप हाल ही में द हेग में, द पीस पैलेस में आयोजित द्विपक्षी निवेश सन्धि विवाचन (आरविट्रेशन्स) में सह-काउन्सल के रूप में उपस्थित हुए। विवाचन (आरबिट्रेशन्स) कानून और वकालत के प्रति आपकी भागीदारी के सम्मान स्वरूप आपको सिंगापुर इंटरनेशनल आरबिट्रेशन्स चैम्बर (SIAC) और लंदन काउन्सिल ऑव इंटरनेशनल आरबिट्रेशन्स (LCIA) की अदालतों के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है।

5. सिंगापुर में एक अन्तरराष्ट्रीय वाणिज्यिक अदालत स्थापित किए जाने के बारे में रिपोर्ट देने के लिए सिंगापुर की सरकार द्वारा गठित की गई एक समिति द्वारा भी आपको नियुक्त किया गया। जुलाई, 2013 में आपको ब्रिटेन और वेल्स के विधिज्ञ-वर्ग (बार) में रख लिया गया। अभी आप ब्लैकस्टोन चैम्बर्स के सर्वाधिक सम्मानित चैम्बर्स के पूर्ण पदाधिकारी के फुल टेनेन्ट हैं।